भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3173
दिनांक 18.12.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

राजमुंद्री में जेजेएम के अंतर्गत शामिल ग्रामीण परिवार

†3173. डॉ. दग्गुबाती पुरंदेश्वरीः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) राजमुंद्री लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के विशेष संदर्भ में जल जीवन मिशन (जेजेएम) के अंतर्गत घरेलू नल कनेक्शनों के माध्यम से सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल प्राप्त करने वाले ग्रामीण परिवारों की वर्तमान संख्या कितनी है;
(ख) दीर्घकालिक विश्वसनीय जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सततता, कार्यशीलता और सामुदायिक भागीदारी के बारे में इन मिशन के अगले चरण के प्रमुख लक्षित क्षेत्र क्या हैं;
(ग) यह मिशन निगरानी और पारदर्शिता के लिए भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) और भविष्यसूचक विश्लेषण जैसे डिजिटल नवाचारों को किस प्रकार एकीकृत कर रहा है;
(घ) इस मिशन के अंतर्गत कार्यान्वयन को सुदृढ करने और निरंतर सेवा प्रदायगी सुनिश्चित करने में जिला प्रशासनों की क्या भूमिका है; और
(ङ) ग्रामीण जल प्रबंधन पर इस मिशन के प्रभाव को दर्शाने वाली सामुदायिक नेतृत्व वाली सफलता की कहानियों के उदाहरण क्या हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, जल शक्ति
(श्री वी. सोमण्णा)

(क) और (ख) भारत सरकार अगस्त 2019 से आंध्र प्रदेश (राजमुंद्री) जैसे राज्यों की भागीदारी से जल जीवन मिशन (जेजेएम)-हर घर जल का कार्यान्वयन कर रही है। मिशन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक ग्रामीण परिवार के पास आश्वासित पेयजल हेतु नल कनेक्शन उपलब्ध हो। पेयजल राज्य का विषय है; इसलिए, जल आपूर्ति स्कीमों की आयोजना, कार्यान्वयन, संचालन एवं रखरखाव की जिम्मेदारी संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों की है, जिसमें केन्द्र सरकार तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

आंध्र प्रदेश राज्य सरकार द्वारा सूचित किए गए अनुसार, अगस्त 2019 में जल जीवन मिशन की शुरुआत में, राजमुंद्री में केवल 18,372 ग्रामीण परिवारों के पास नल जल

कनेक्शन होने की सूचना थी। मिशन के तहत लगभग 11,035 और ग्रामीण परिवारों को नल जल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। 16.12.2025 तक, राजमुंद्री, आंध्र प्रदेश में 31,485 ग्रामीण परिवारों में से कुल 29,407 (93.40%) ग्रामीण परिवारों को नल जल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं।

यह विभाग जवाबदेही के लिए सुजलाम भारत डेटाबेस परिसंपत्ति पंजीकरण और अद्वितीय सुजल गांव आईडी के माध्यम से दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करता है। "सुजल ग्राम संवाद", जल अर्पण, जल उत्सव और ग्राम जल तथा स्वच्छता समितियों (वीडब्ल्यूएससी) की सक्रिय भागीदारी जैसी पहलों के माध्यम से सामुदायिक स्वामित्व और संचालन/रखरखाव को प्रोत्साहित किया जाता है।

(ग) डिजिटल पहलों के भाग के रूप में, जल आपूर्ति परिसंपत्तियों को पीएम गति शक्ति के अंतर्गत जीआईएस मैप किया जा रहा है, जिसमें 28 लाख किलोमीटर पहले ही अपलोड की जा चुकी हैं। आयोजना को सुजलाम भारत ऐप द्वारा भी समर्थन दिया जाता है, जो सटीक परिसंपत्ति पहचान और भू-संदर्भ के लिए अद्वितीय सुजल गांव आईडी प्रदान करने के लिए जियोटैगिंग और जियो-फेंसिंग का उपयोग करता है। पायलट आईओटी-आधारित सेंसर पारदर्शिता हेतु सार्वजनिक डैशबोर्ड पर डेटा प्रदर्शित करने के साथ जल की मात्रा और गुणवत्ता की निगरानी करते हैं। भविष्य के इंटरैक्टिव डैशबोर्ड हितधारकों को सशक्त बनाने, पारदर्शिता में सुधार लाने और प्रभावी कार्यक्रम कार्यान्वयन के लिए डेटा-संचालित निर्णयों को सक्षम बनाने के लिए वास्तविक समय डेटा विज़ुअलाइज़ेशन, पूर्वानुमानित अंतर्दृष्टि और भू-स्थानिक मानचित्रण का प्रस्तुत करेंगे।

(घ) डीडब्ल्यूएसएम के अंतर्गत जिला प्रशासन **नोडल कार्यान्वयन एजेंसियों** के रूप में कार्य करते हैं, जो यह सुनिश्चित करता है कि:

(i) पंचायती राज संस्थाओं और संबंधित विभागों के बीच समन्वय।
(ii) समय पर धनराशि का उपयोग और प्रगति की सूचना।
(iii) क्षमता निर्माण और शिकायत निवारण।
(iv) डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सेवा सुपुर्दगी और कार्यशीलता की नियमित निगरानी।

(ङ) जल जीवन संवाद के अंतर्गत जेजेएम पोर्टल पर मासिक समाचार पत्र के माध्यम से समुदाय के नेतृत्व वाली सफलता की कहानियां उपलब्ध हैं और इन्हें जल जीवन मिशन रिपोर्ट के प्रकाशन अनुभाग में भी निम्न लिंक पर देखा जा सकता है।
https://jaljeevanmission.gov.in/publication-report और
https://jaljeevanmission.gov.in/jal-jeevan-samvad

*****